Two-day exhibition of rare schoolbooks

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 22-10-2023**

हकेवि में दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में तीन सौ से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। ये पुस्तकें भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थीं। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है। अतीत ने हमारे शैक्षिक परिदृश्य को कैसे आकार दिया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के लिए हम इससे क्या सबक सीख सकते हैं। उन्होंने प्रो. वरदराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. शर्मा ने पाठ्यपुस्तक लेखन और पढ़ने के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। हकेवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक लेखन एवं शोध के संदर्भ में दुर्लभ पाठ्य पुस्तकों की प्रासंगिकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. नंदकिशोर ने पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के घटकों को शामिल करने के तरीकों पर अपने विचार रखे। आयोजन में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और श्री नरेश कुमार ने कई विद्यार्थियों को स्कूली पुस्तक संग्रह की उपयोगिता और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में दो सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-10-2023**

कार्यक्रम

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर के सहयोग से हुआ आयोजन

हकेंवि में लगाई प्रदर्शनी में रखीं 300 से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग की ओर से दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में 300 से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गई। ये पुस्तकें भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थी। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है। अतीत ने हमारे शैक्षिक परिदृश्य को कैसे आकार दिया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के लिए हम इससे क्या सबक सीख सकते हैं। उन्होंने प्रो. वरदराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की।

पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रो. वरदराजन नारायणन और श्री सिद्दू ने हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी में पाठ्य-पुस्तकों से संबंधित प्रासंगिक विषयों पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का सम्मान किया। प्रो. शर्मा ने पाठ्यपुस्तक लेखन और पढ़न के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत किया।

आयोजन में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, नरेश कुमार ने अनेक विद्यार्थियों को स्कूली पुस्तक संग्रह की उपयोगिता और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में 200 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 22-10-2023**

हकेंवि में दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की लगी प्रदर्शनी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में तीन सौ से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। ये पुस्तकें भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थीं। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है। उन्होंने प्रो. वरदराजन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रो. वरदराजन नारायणन और सिद्धू ने हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल आफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। हकेवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक लेखन एवं शोध के संदर्भ में दुर्लभ पाठ्य पुस्तकों की प्रासंगिकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

प्रो. नंदकिशोर ने पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के घटकों को शामिल करने के तरीकों पर अपने विचार रखे। प्रो. प्रमोद, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में दो सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की।

पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

हाइपोविटामिनोसिस डी के प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग व रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। हाइपोविटामिनोसिस डी के प्रबंधन के लिए बाजरा-आधारित कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के हस्तक्षेप विषय पर आधारित यह कार्यक्रम एचएससीएसआईटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधि के तहत आयोजित किया गया। विश्व खाद्य दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कार्यक्रम में पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष व आयोजन के सह-अध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और डा. अश्वनी कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 22-10-2023**

हकेंवि में दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी की गई आयोजित

शिक्षा एक नियमित विकसित होने वाली शक्तिः वीसी

- प्रदर्शनी में पाठ्य पुस्तक के बारे में की गई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय और शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय दुर्लभ स्कूली पुस्तकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में तीन सौ से अधिक दुर्लभ स्कूली पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। ये पुस्तक भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की औपनिवेशिक तथा उसके बाद के काल की थी। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि शिक्षा एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाली शक्ति है।

अतीत ने हमारे शैक्षिक परिदृश्य को कैसे आकार दिया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने निर्णयों और नीतियों से अवगत कराने के लिए हम इससे क्या सबक सीख सकते हैं। उन्होंने प्रो. वरदराजन नारायणन के नेतृत्व में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पुरालेख टीम के प्रयासों की सराहना की। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रो. वरदराजन नारायणन और सिद्दू ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी में पाठ्य-पुस्तकों से संबंधित प्रासंगिक विषयों पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. शर्मा ने पाठ्यपुस्तक लेखन और पढ़ने के बारे में अपने विचार व अनुभव साझा किए। हकेंवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने वक्ताओं का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक लेखन एवं शोध के संदर्भ में दुर्लभ पाठ्य पुस्तकों की प्रासंगिकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान उपस्थित अतिथि व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

पुस्तक संग्रह की बताई उपयोगिता

प्रो. नंदकिशोर ने पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के घटकों को शामिल करने के तरीकों पर अपने विचार रखे। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह और नरेश कुमार ने कई विद्यार्थियों को स्कूली पुस्तक संग्रह की उपयोगिता और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. सौरभ सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों सहित आयोजन में दो सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।